सहयोगात्मक पर्यवेक्षण
अलीगढ़ मण्डल
दिनांक – 02.03.2020 से 04.03.2020

पर्यवेक्षक–

- **डॉ0 अशोक कुमार पालीवाल, राज्य कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, लखनऊ।**
- **श्री राम सुरेश चौरसिया, कन्सल्टेन्ट, क्वालिटी एश्योरेन्स, एन0एच0एम0, लखनऊ।**
- **डॉ0 सचेन्द्र राज, तकनीकी सलाहकार, मातृ स्वास्थ्य अनुभाग, एन0एच0एम0, लखनऊ।**
- **श्री योगेन्द्र कुमार यादव, एस0एन0सी0यू0 सॉफ्टवेयर कोऑर्डिनेटर, बाल स्वास्थ्य अनुभाग, एन0एच0एम0 लखनऊ।**
- **श्री विपिन कुमार श्रीवास्तव, कार्यक्रम सहायक, निर्माण अनुभाग, एन0एच0एम0, लखनऊ।**

उपरोक्त पर्यवेक्षकों द्वारा दिनांक 02.03.2020 से 04.03.2020 तक अलीगढ़ मण्डल के निम्नांकित चिकित्सा इकाइयों/सामुदायिक स्तर कार्यक्रमों का पर्यवेक्षण किया गया–

दिनांक	Major Findings from the Visit Site	Intervention/Activities Identified	Level of Intervention
प्रथम दिवस 02.03.2020	**सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अलीगंज, जनपद एटा** • VHSNC तथा उपकेन्द्र के अन्टाइड फण्ड में व्यय अत्यन्त कम है। ब्लाक लेखा प्रबन्धक द्वारा फण्ड आवंटन/हस्तान्तरण को ही व्यय प्रदर्शित किया जा रहा है। • आवश्यक क्रिटिकल प्रोसीजर एवं नर्सिंग स्टेशन पर बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट 'थ्री बकेट' की उपलब्धता नहीं है। साथ ही BMW प्रोटोकाल का प्रदर्शन तथा सेग्रीगेशन नहीं है। सेवा प्रदाता द्वारा नियमित रूप से निस्तारण नहीं किया जा रहा है। साथ ही कन्ज्यूमेबल्स की आपूर्ति की आवश्यकता के अनुरूप नहीं किया जा रहा हैं । बायोमेडिकल वेस्ट शेड का निर्माण किये जाने की आवश्यकता है। • इमरजेन्सी में BMW प्रोटोकाल पोस्टर का प्रदर्शन, पक्चर प्रूफ बाक्स, ब्लींचिग शालूशन नहीं है। इमरजेन्सी ट्रे में समस्त आवश्यक औषधियां नहीं है। ऑटो क्लेविंग नियमानुसार नहीं की जा रही है। • ICTC काउन्सलर के कक्ष में स्वास्थ्य शिक्षा हेतु प्रचार–प्रसार सामग्री का प्रदर्शन नहीं है। • पैथोलॉजी में एल्बो टैब नहीं है। माइक्रो स्कोप 1 माह से खराब है। अवगत कराया गया कि साइरेक्स सेवा प्रदाता द्वारा उपकरणों की मेनटेनेन्स समय से नहीं किया जा रहा है। उपकरणों के आपरेशनल गाइडलाइन्स, प्रोटोकाल प्रदर्शित नहीं है। इन्डेन्ट एवं कन्जप्सन रिकार्ड नही बनाया जा रहा है। एनालाइजर तथा आवश्यक रिएजेन्ट की आपूर्ति नहीं है। • NCD के अन्तर्गत सामुदायिक स्तर पर अभियान के विषय में ANM एवं ASHA को जानकारी नहीं थी। अभियान नहीं चलाया गया, जिसके कारण C back Form नहीं भरा गया। • Drug dispending counter पर मात्र 18 औषधियां उपलब्ध है। आवश्यक औषधियों की सूची प्रदर्शित नहीं हैं। • JSY ward में भर्ती प्रसूता श्रीमति रजनी, पत्नी श्री हर्ष ग्राम जकरई कला के द्वारा बताया गया कि वह सुबह 06:00 बजे भर्ती हुयी किन्तु सायं 04:30 बजे तक भोजन तथा नाश्ता नहीं दिया गया।	ब्लाक लेखा प्रबन्धक द्वारा ए0एन0एम0 की बैठक करके ए0एन0एण्म0 को व्यय कार्ययोजना बनवायी जाये। अधीक्षक द्वारा खण्ड विकास अधिकारी से समन्वय करके ग्राम प्रधानों से व्यय किये जाने हेतु प्लानिंग एवं कियान्वयन किया जाये। इन्फेक्सन कंट्रोल प्रैक्टिसेस मानकानुसार किये जाने हेतु प्रशिक्षण एवं नियमित अनुश्रवण किया जाये। उपकरणों की उपलब्धता एवं कियाशीलता सुनिश्चित किया जाये। NCD अभियान के कियान्वयन हेतु प्रशिक्षण प्रदान कर डाक्यूमेंटेशन किया जाये। आवश्यक औषधियों की उपलब्धता शत–प्रतिशत सुनिश्चित की जाये। निःशुल्क डायट की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये।	चिकित्सा अधीक्षक के स्तर से कार्यवाही अपेक्षित।

	• जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रोटोकाल पोस्टर प्रदर्शित नहीं है। डाइट रजिस्टर मानकानुसार नहीं है। अधिकांष प्रसूताएं 12 घंटे के अन्दर घर चली जा रही है। प्रसव पंजिका में जांच, समस्त कालम नहीं भरा जा रहा है। HRP Register में अंकित लाभार्थियों का फालोअप नहीं किया जा रहा है। • प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY) के अन्तर्गत लाभार्थियों के समय से पंजीकरण तथा किस्तों का भुगतान समय से नही हो रहा है। श्रीमती निशा, पत्नी विकास ग्राम गडिया मराथुरा के द्वारा बताया गया कि वह 1 वर्ष सेपंजीकृत हैं, किन्तु उनकी एक किस्त की धनराशि प्राप्त हुयी है। संबंधित लिपिक/कर्मचारी द्वारा उन्हें बार–बार चिकित्सालय बुलाया जाता है, किन्तु भुगतान हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जा रही हैं। • नेशनल एम्बुलेन्सः 108 में सक्सन मशीन खराब थी। प्रभारी चिकित्सा अधिक्षक द्वारा एम्बुलेन्स का भौतिक निरीक्षण तथा रिकार्ड की जांच नहीं किया जा रहा है। • डिलीवरी लोड (मासिक लगभग 200) के अनुसार 8 डिलीवरी किट की आवश्यकता है, किन्तु केवल 02 किट ही उपलब्ध है। • एपीजियॉटमी ट्रे, कार्ड कटिंग उपलबध नहीं है। रेडियन्ट वार्मर कई माह से खराब है। आटोक्लेव खराब है। हीमोग्लोबिनोमीटर उपलब्ध नहीं हैं। मेथॉयल डोपा 10 मि0मि0 सिरिन्ज नहीं है। 'एण्टीसेप्टिक शाल्यूशन' तथा साइडेक्स की आपूर्ति नहीं है। लिक्विड हैण्डवॉश तथा सेनेटाइजर, मास्क की आपूर्ति नहीं है। पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्यूपमेन्ट (पी0पी0ई0) की आपूर्ति आवश्यकता से अत्यन्त कम है। प्रसव कक्ष में आक्सीजन सिलिण्डर खाली है।	डायट रजिस्टर मानकानुसार बनाया जाये। PMMVY के अन्तर्गत लाभार्थियों के लम्बित किस्तों का भुगतान शीघ्र किया जाये। 108 एम्बुलेन्स का निरीक्षण	
प्रथम दिवस 02.03.2020	**<u>प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जैथरा, जनपद एटा</u>** • स्टैण्डर्ड केशसीट उपलब्ध नहीं हैं। आक्सीजन सिलेण्डर का रेगुलेटर नहीं है। डिलीवरी टेबल पर मैट्रेस नहीं हैं। 05 हेल्थ एवं वेलनेस सेण्टर चिन्हित हैं, किन्तु अभी कियाशील नहीं है। मीजोप्रोस्टॉल टेबलेट औषधि उपलब्ध नहीं है। प्राथमिक स्वा0 के0 आंशिक रूप से केवल (OPD एवं BPMU Unit) सामुदायिक स्वा0के0 जैथरा के नवीन भवन में शिफ्ट हुआ है।	स्टैण्डर्ड केशसीट, हेल्थ एण्ड वेलनेस सेण्टर की कियाशीलता, औषधियों की उपलब्धता मानकानुसार सुनिश्चित की जाये। नवीन भवन में समस्त सेवाएं शीघ्र प्रारम्भ की जाये।	प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक के स्तर से कार्यवाही अपेक्षित।
प्रथम दिवस 02.03.2020	**<u>सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बागवाला, शीतलपुर, जनपद एटा</u>** • जून 2017 में भवन कियाशील हुया है। भ्रमण के समय सायं 05:30 बजे मेन गेट पर ताला लगा हुआ था। केवल प्रसव कक्ष में 02 स्टाफ नर्स उपस्थित थी। परिसर में प्रकाश की व्यवस्था नहीं है। पेयजल की आपूर्ति रही है। अभी तक प्रसूताओं के अतिरिक्त कोई इन्डोर पेसेट भर्ती नहीं हो रहे हैं।	केन्द्र को 24X7 कियाशील किया जाये। कैम्पस में पर्याप्त प्रकाश एवं पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित किया जाये। इन्डोर मरीजों की भर्ती शीघ्र प्रारम्भ की जाये।	प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक/BPM के स्तर से कार्यवाही अपेक्षित।
प्रथम दिवस 02.03.2020	**<u>सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सादाबाद (एफ0आर0यू0), जनपद हाथरस</u>** • NBSU में मानकानुसार 04 रेडियन्ट वार्मर, 02 फोटोथैरेपी के सापेक्ष 02 रेडियन्ट वार्मर एवं 01 फोटोथैरेपी उपलब्ध है। अन्य आवश्यक उपकरण भी नहीं थे। इकाई पर किसी बाल रोग विशेषज्ञ की तैनाती नहीं हैं। स्टाफ नर्स को संबंधित प्रशिक्षण प्राप्त नहीं हुआ है। NBSU आवश्यकतानुसार स्थान पर्याप्त नहीं था। प्रोटोकाल पोस्टर नहीं लगे थे। • KMC Ward में संबंधित प्रोटोकाल पोस्टर लगे थे। वार्ड में Reclining chair उपलब्ध नहीं था। वार्ड में 01 ए0सी0 लगी है। वार्ड साफ–सुधरा पाया गया। माह फरवरी में कुल 35 Low birth weight के नवजात शिशुओं को वार्ड में एडमिट किया गया। Breast feeding की counseling की जा रही थी।		MOIC एवं संबंधित स्टाफ

	• **लेबर रूम** में साफ–सफाई में कमी थी। डिस्चार्ज रजिस्टर पुराने प्रारूप पर पाये गये। जिसके अन्दर लाभार्थियों का डिस्चार्ज की तिथि एवं समय अंकित नहीं किया जा रहा था। स्टैण्डर्ड केशसीट पर डिस्चार्ज स्लिप नहीं भरी जा रही थी एवं न ही लाभार्थियों को दी जा रही थी। डिजिटल घडी एवं रूम थर्मामीटर क्रियाशील नहीं था, अलग रखा हुआ था। पी0एन0सी0 वार्ड में लाभार्थी से बात करके पता लगा कि नवजात को प्रसव के 01 घंटें के अन्दर ही स्तनपान कराया गया। बर्थ डोज (टीकाकरण) लगायी जा रही थी। फीडबैक हेतु डिलिवरी रजिस्टर से 01 लाभार्थी से दूरभाष पर बात किया गया। उनके द्वारा बताया गया कि वह प्रसव के 05 घंटे के अन्दर ही घर चले गये थे एवं जे0एस0वाई0 भुगतान के लिए उनसे बैंक खाता संख्या एवं अन्य जानकारियां नहीं ली गयी है। डिलीवरी रजिस्टर में लाभार्थियों का मोबाइल संख्या एवं उनकी संभावित प्रसव तिथि (EDD) अंकित नहीं की जा रही थी। 01 केलिसपेड पन्चर पाया गया। • प्रसव पंजिका में जांच एवं समस्त कालम नहीं भरे जा रहे थे। HRP Register में अंकित लाभार्थियों का फालोअप नहीं किया जा रहा है। • NBSU में एवं लेबर रूम equipment downtime register नहीं बना था। • **जे0एस0एस0के0 डाइट रजिस्टर** पुराने प्रारूप पर पाये गये। जिसमें डिस्चार्ज की तिथि एवं समय अंकित नहीं किया जा रहा था। • लाभार्थियों को पी0पी0पी0 मोड पर अन्ट्रासाउण्ड की सुविधा दी जा रही थी। 01 लाभार्थी से दूरभाष पर बात कर इसकी पुष्टि की गयी। • आर0बी0एस0के0 टीम द्वारा चिन्हित किये गये बच्चों को पोषण पुनर्वास केन्द्र में रेफर किया जा रहा था, परन्तु उनका फालोअप नही किया गया था। रेफर किये गये बच्चे पोषण पुनर्वास केन्द्र में नहीं पहुंच रहे है। • बायो मेडिकल वेस्ट के लिए अनुबंध के अनुसार सेवा प्रदाता द्वारा सभी सामग्रियां उपलब्ध नहीं करायी जा रही थी। • **Cold Chain** में ए0एन0एम0 वाइस ड्यू लिस्ट नहीं बनी थी एवं वैक्सीन का वितरण बिना ड्यू लिस्ट के अनुसार किया जा रहा था। • **Data Validation Committee की बैठक** हो रही थी, किन्तु उनके कार्यवृत्त सही से नहीं बन रहे थे। • **Fire Fighting system** लगा था, किन्तु उनका प्रशिक्षण नहीं कराया गया था। • **102/108 Ambulance Services** .मानक के अनुसार औषधियों की लिस्ट उपलब्ध नहीं थी। • durg stock register अपडेट नहीं था।	रजिस्टर में लाभार्थियों का मोबाइल संख्या अंकित किया जायें। ताकि उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं का फालोअप हो सके। equipment downtime register बनाया जाये। Cold Chain	
प्रथम दिवस 02.03.2020	**जिला महिला चिकित्सालय, जनपद हाथरस** • 12 शैय्या की SNCU क्रियाशील था। जिसमें 01 संविदा एवं 01 रेगुलर (चिकित्सा अधीक्षक) बाल रोग विशेषज्ञ कार्यरत थे। • SNCU से डिस्चार्ज के बाद उनका फालोअप (लगभग 80 प्रतिशत) किया जा रहा था। फालोअप के लिए चिकित्सालय में आये बच्चों का फालोअप सीट आनलाइन भरी जा रही थी। सभी बच्चों को एडमिशन एवं डिस्चार्ज की इन्ट्री आनलाइन SNCU MIS Portal पर की जा रही थी। • SNCU में equipment downtime register बना था और अच्छी तरीके से अपटेड किया गया था।		मुख्य चिकित्सा अधीक्षक / मुख्य चिकित्साधिकारी

	• Inborn & Outborn हेतु अलग–अलग वार्ड बने थे। triage area अलग से बना हुआ था। • 01 संविदा बाल रोग विशेषज्ञ एवं अन्य स्टाफ की वेतन समय पर नहीं मिल रही थी। उनके लॉयल्टी बोनस में भी कुछ विसंगतियां थी। विगत कई माह से बेड आक्यूपेन्सी रेट कम है (लगभग 32 प्रतिशत)। ऑपरेशनल कॉस्ट के अन्तर्गत रू0 10.00 लाख प्रति वर्ष अवमुक्त किया जाता है, जिसका मानकानुसार व्यय बहुत कम था (लगभग 40 प्रतिशत)। • प्रसव कक्ष में HRP Register में अंकित लाभार्थियों का दूरभाष नं0 नहीं अंकित था, जिससे उनका फालोअप नहीं किया जा रहा था। KMC Ward में संबंधित प्रोटोकाल पोस्टर लगे थे। वार्ड में Reclining chair उपलब्ध नहीं था। Breast feeding की counseling की जा रही थी। • Family Planning Counselor के पास सेनेटरी नैप्कीन्स एवं अन्तरा उपलब्ध नही पाया गया। PNC ward में Family Planning की counseling की जा रही थी।	KMC Ward	
प्रथम दिवस 02.03.2020	**<u>जिला महिला चिकित्सालय, जनपद अलीगढ़</u>**		
	जिला महिला चिकित्सालय में स्थित 100 शैय्या एम0सी0एच0 विंग में ड्रेनेज की समस्या है। ओ0टी0 में रिसेन, शौचालय की कमी, सभी डब्ल्यूसी, अधूरी बाउंड्रीवाल, खराब हैंडवाश पाइन्ट, एलआर में कोई निपटान क्षेत्र नहीं होने जैसी कई ढांचागत समस्याएं हैं।	100 शैय्या एम0सी0एच0 विंग के इन्फ्रास्ट्रक्चर में मूलभूत समस्याओं का निराकरण अत्यन्त आवश्यक है, इसके लिए बजट का आवंटन महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं के स्तर से किया जा सकता हैं । विभाग के अवर अभियन्ता द्वारा हस्ताक्षरित बी0ओ0क्यू0 एवं डी0पी0आर0 को प्रेषित किया जाना उचित होगा।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका, जिला महिला चिकित्सालय एवं अधिशासी अभियन्ता, अलीगढ़।
	POCT का अनुबन्ध दिनांक 29.02.2020 को समाप्त हो गया है, जो निश्चित रूप से प्रयोगशाला सेवाओं को रोक देगा एवं मरीजों को निशुल्क नैदानिक सेवाओं का लाभ नहीं मिल पायेगा।	POCT का अनुबन्ध पुनः कराये जाने की आवश्यकता है।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका, जिला महिला चिकित्सालय अलीगढ़
	SBA और दक्षता प्रशिक्षण सत्रों की आवश्यकता है, जिनको सम्पन्न हुये 1 वर्ष का समय व्यतीय हो चुका है।	UPTSU से सम्पर्क करते हुये इन्हें कराने का कष्ट करे।	चिकित्सालय प्रबन्धक, जिला महिला चिकित्सालय अलीगढ़ एवं UPTSU
	जिला महिला चिकित्सालय में SNCU एवं HDU हेतु गैस मैनिफोल्ड की आवश्यकता है।	गैस मैनिफोल्ड के निर्माण हेतु JNMC, AMU अलीगढ़ की सहायता से DPR/BOQ बनाया जा सकता है, जिसे महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं को बजट आवंटन हेतु प्रेषित किया जा सकता है।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका, जिला महिला चिकित्सालय एवं अधिशासी अभियन्ता, अलीगढ़।

	चिकित्सालय परिसर में मुख्य भवन के पीछे कई स्थानों पर गन्दगी पायी गयी है।	परिसर की साफ–सफाई की व्यवस्था का विशेष ध्यान रखने हेतु निर्देशित किया गया, अधीक्षक द्वारा इसे 02 दिवसों में सम्पन्न कराने का आश्वासन दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला महिला चिकित्सालय अलीगढ़।
प्रथम दिवस 02.03.2020	**<u>पं0 दीनदयाल उपाध्याय जिला संयुक्त चिकित्सालय, जनपद अलीगढ़</u>**		
	चिकित्सालय में NQAS का राज्य स्तरीय असेस्मेन्ट सम्पन्न हो चुका है, परन्तु HQM के ना होने से नेशनल असेस्मेन्ट की तैयारी पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है।	मण्डल स्तरीय समीक्षा बैठक में राज्य कार्यक्रम प्रबनधक द्वारा HQM मलखान सिंह जिला चिकित्सालय को पं0 दीनदयाल उपाध्याय जिला संयुक्त चिकित्सालय, में स्थानान्तरित करने हेतु निर्देश दिये गये।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, PDDUJ चिकि0 एवं मलखान सिंह जिला चिकि0 अलीगढ़
	डेटा एन्ट्री आपरेटर की अनुपलब्धता के कारण बी0एम0डब्ल्यू पोर्टल में डेटा एन्ट्री नहीं की जा रही है।	बी0एम0डब्ल्यू पोर्टल में डेटा एन्ट्री हेतु मानव संसाधन उपलब्ध कराने हेतु CMO से आग्रह किया गया। इसके अतिरिक्त CMS, PDDUJ चिकि0 से तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था करने हेतु आग्रह किया गया।	CMO अलीगढ़ एवं CMS, PDDUJ चिकित्सालय।
	लिंग संवेदीकरण से संबंधित अभी तक नहीं किया गया था।	चिकित्सालय प्रबन्धक, मलखान सिंह जिला चिकित्सालय से आग्रह किया गया कि तत्काल UPTSU से सम्पर्क करते हुये इन्हें कराने का कष्ट करें।	चिकित्सालय प्रबन्धक, PDDUJ चिकित्सालय अलीगढ़ एवं UPTSU
	मेडिकल ऑडिट/प्रिस्क्रिप्शन ऑडिट नहीं किया गया।	CMS महोदया से इस कार्य का महत्व बताते हुये तत्काल कराने का आग्रह किया गया।	CMS PDDUJ, चिकि0 एवं संबंध मलखान सिंह जिला चिकि0 अलीगढ़
	चिकित्सालय परिसर में मुख्य भवन के पीछे कई स्थानों पर गन्दगी पायी गयी एवं मुख्य भवन के कमरों में निष्प्रयोज्य सामग्रियां पायी गयी।	परिसर की सफाई व्यवस्था का विशेष ध्यान रखने हेतु निर्देशित किया गया, अधीक्षक द्वारा इसे 02 दिवसों में सम्पन्न करने का आश्वासन दिया गया।	CMS PDDUJ चिकि0 अलीगढ़।
द्वितीय दिवस 03.03.2020	**<u>सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शोरो, जनपद कांसगंज</u>** • राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत भ्रमण दिवस पर दोनों टीम क्षेत्र में वाहन उपलब्ध न होने के कारण नहीं जा सकी। अधीक्षक को चिकित्सालय में चल रही गतिविधियों की पूर्ण जानकारी नहीं है। टीम के पास आवश्यक लॉजिस्टिक, हाइटोमीटर, टार्च, विजन चार्ट उपलब्ध नहीं हैं। लेबर रूम में पानी की आपूर्ति नहीं हैं।	चिकित्सालय में आवश्यक उपकरण, इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं लिंक सर्विसेज शीघ्र सुनिश्चित की जाये। विशेषज्ञों की कमी के संबंध में राज्य स्तर से व्यवस्था की जायेगी।	MOIC एवं संबंधित स्टाफ

	• प्रसव कक्ष में शू रैक, स्लीपर एवं शू कवर उपलब्ध नही है। ऑटोक्लेविंग उपकरण, रेडियण्ट वार्मर खराब है। प्रसव लोड के अनुसार 12 डिलीवरी किट की आवश्यकता है, किन्तु मात्र 04 उपलब्ध है। • आर0के0एस0 की नियमित बैठकें नहीं की जा रही है। आर0के0एस0 बजट का अधिकांश धनराशि (25–30 प्रतिशत) घास की कटाई में व्यय किया जा रहा है, जबकि चिकित्सालय में अन्य महत्वपूर्ण उपकरणों एवं गतिविधियों में व्यय किये जाने की आवश्यकता है।		
द्वितीय दिवस 03.03.2020	**<u>प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अमांपुर, जनपद कांसगंज–</u>** • स्टाफ नर्स की ड्यूटी रोस्टर मानकानुसार नहीं बनाया जा रहा है। • रेडियन्ट वार्मर स्थापित नहीं है। पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्यूपमेन्ट (पी0पी0ई0) की आपूर्ति आवश्यकता से अत्यन्त कम है। • बायो मेडिकल वेस्ट का निस्तारण नियमानुसार नहीं किया जा रहा है। बी0एम0डब्यू0 कन्ज्यूमेबल्स की आपूर्ति आवश्यकता के अनुसार सेवा प्रदाता द्वारा नहीं की जा रही है। • अधिकांश गतिविधियों के व्यय के बीजक प्रभारी चिकित्सक के सत्यापन किये बिना भुगतान किये जा रहे हैं ।	बायो मेडिकल वेस्ट का निस्तारण नियमानुसार कराया जाये। भुगतान से पूर्व समस्त बीजकों का सत्यापन प्रभारी चिकित्सक द्वारा अवश्य कराया जाये।	MOIC एवं संबंधित स्टाफ
द्वितीय दिवस 03.03.2020	**<u>जिला संयुक्त चिकित्सालय, जनपद कासगंज</u>** • OPD में ड्रेसिंग कक्ष नहीं है। • विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती नहीं है। • TMT सर्विसेज उपलब्ध नहीं है। • लेप्रोसी मरीजों के इलाज की सुविधा नहीं है। • HIV मरीजों के इलाज हेतु ART ट्रीटमेन्ट का लिंकेश सुविधा नहीं है। • राष्ट्रीय कार्यक्रम के अन्तर्गत डीफनेस कार्यक्रम की सेवाएं उपलब्ध नहीं है। • आडियोमेट्रिस्ट की तैनाती नहीं है। • लेबर रूम में सेप्टिक डिलीवरी एवं HIV पॉजिटिव मरीजों के प्रसव की सुविधा नहीं है। • NRC में नर्सिंग स्टेशन नहीं बना है। सीढियों की रेलिंग (रैम्प) नहीं है। • OT में 24X7 सेवाएं उपलब्ध नहीं है। पोस्ट पार्टम स्टरलाइजेशन सुविधा उपलब्ध नहीं है। • SNCU स्थापित नहीं है। • चिकित्सालय में 34 चिकित्सकों के सापेक्ष मात्र 06 चिकित्सक तैनात है।	चिकित्सालय मे आवश्यक उपकरण, इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं लिंक सर्विसेस शीघ्र सुनिश्चित की जाये। विशेषज्ञों की कमी के सम्बन्ध में राज्य स्तर से व्यवस्था की जायेगी।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/ मुख्य चिकित्साधिकारी

द्वितीय दिवस **03.03.2020**	**<u>जिला पुरुष चिकित्सालय, जनपद हाथरस</u>** • 10 शैय्या पोषण पुनर्वास केन्द्र क्रियाशील था। 01 चिकित्साधिकारी, 01 स्टाफ नर्स, 01 न्यूट्रीसनिस्ट, 01 कुक कम केयर टेकर एवं 01 सफाई कर्मी उपस्थित थे। किन्तु विगत कई माह से बेड आक्यूपेन्सी रेट कम है (लगभग 40 प्रतिशत)। 04 बच्चे एडमिट थे। बच्चों को समय पर पोषाहार दिया जा रहा था। किचन का निरीक्षण किया गया। साफ–सफाई पायी गयी। पेय जल के लिए आर0ओ0 लगा हुआ था। डाइट चार्ट लगा था। सभी प्रकार के माइक्रो न्यूट्रेन्ट एवं आवश्यक औषिधियां उपलब्ध थी। 01 टेलीविजन उपलब्ध था, परन्तु क्रियाशील नहीं था। ए0सी0 एवं सी0सी0टी0वी0 नहीं लगी थी। ऑपरेशनल कॉस्ट के अन्तर्गत रू0 7.80 लाख प्रति वर्ष अवमुक्त किया जाता है। जिसका मानकानुसार व्यय बहुत कम था। स्टाफ एवं मरीजों के लिए एक ही शौचालय उपयोग में लाया जा रहा था। वार्ड में बेडशीट गन्दी थी। छत पर कही–कहीं सिलन (वाटर सिपेज) देखी गयी, जिसे मरम्मत कराकर वॉल पेन्टिग कराने की आवश्यकता थी। • OPD में ड्रेसिंग कक्ष नहीं था। • विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती नहीं है। • TMT सर्विसेज उपलब्ध थी। • HIV मरीजों के इलाज हेतु ART ट्रीटमेन्ट का लिंकेश सुविधा थी। • Data Validation Committee की बैठक नहीं की जा रही थी। चिकित्सा अधीक्षक द्वारा हास्पीटल प्रबन्धक डॉ0 रियाज अहमद को बैठक कराने एवं उनके कार्यवृत्त के लिए निर्देशित किया गया। • OT स्थापित था परन्तु सर्जन न होने के कारण सेवाएं उपलब्ध नहीं थी। • EDL (Drug list) अपडेट नहीं पाया गया। • किशोर स्वास्थ्य क्लीनिक में काउन्सलिंग दी जा रही थी।	 	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक / मुख्य चिकित्साधिकारी
द्वितीय दिवस **03.03.2020**	**<u>सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र साहनी (एफ0आर0यू0), जनपद हाथरस</u>** • NBSU में मानकानुसार 04 रेडियन्ट वार्मर, 02 फोटोथैरेपी के सापेक्ष 02 रेडियन्ट वार्मर एवं 01 फोटोथैरेपी उपलब्ध है। अन्य आवश्यक उपकरण भी नहीं थे। इकाई पर किसी बाल रोग विशेषज्ञ की तैनाती नहीं हैं। स्टाफ नर्स को संबंधित प्रशिक्षण प्राप्त नहीं हुआ है। NBSU आवश्यकतानुसार स्थान पर्याप्त नहीं था। प्रोटोकाल पोस्टर नहीं लगे थे। NBSU की मासिक प्रगति रिपोर्ट में गलतियां पायी गयी, जिसको सुधार करने के लिए कहा गया। • **लेबर रूम** में साफ–सफाई में कमी थी। डिस्चार्ज रजिस्टर में लाभार्थियों की जांचे एवं अन्य कालम नहीं भरे जा रहे थे। स्टैण्डर्ड केशसीट पर डिस्चार्ज स्लिप नहीं भरी जा रही थी एवं न ही लाभार्थियों को दी जा रही थी। डिजिटल घडी एवं रूम थर्मामीटर क्रियाशील नहीं था, अलग रखा हुआ था। पी0एन0सी0 वार्ड में लाभार्थी से बात करके पता लगा कि नवजात को प्रसव के 01 घंटें के अन्दर ही स्तनपान कराया गया। बर्थ डोज (टीकाकरण) लगायी जा रही थी। डिलीवरी रजिस्टर में लाभार्थियों का मोबाइल संख्या एवं उनकी संभावित प्रसव तिथि (EDD) अंकित नहीं की जा रही थी।	 इमरजैन्सी ट्रे, डिलवरी किट, पी0पी0आई0यू0 सी0डी0 किट	MOIC एवं संबंधित स्टाफ

द्वितीय दिवस 03.03.2020	**<u>सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अतरौली, जनपद अलीगढ़</u>**		
	<u>परिसरः</u> चिकित्सालय परिसर में कई स्थानों पर अत्यधिक गन्दगी पायी गयी एवं मुख्य भवन के पीछे निष्प्रयोज्य सामग्री पायी गयी।	परिसर की सफाई व्यवस्था का विशेष ध्यान रखने हेतु निर्देशित किया गया, अधीक्षक द्वारा इसे 02 दिवसों में सम्पन्न करने का आश्वासन दिया गया।	MOIC एवं संबंधित स्टाफ
	<u>लेबर रूमः</u> प्रोटोकॉल पोस्टर्स नियमानुसार नहीं पाये गये। 07 ट्रे, बायोमेडिकल वेस्ट बिन्स मानकानुसार नहीं पाये गये। स्टरलाइजेशन भी मानकानुसार नहीं किया जा रहा था। शौचालय में अत्यन्त गन्दगी थी एवं निष्प्रयोज्य सामग्री से भरे होने के कारण उपयोग में नहीं था।	समस्याओं का तत्काल निराकरण करने हेतु निर्देशित किया गया। स्टाफ को बायो मेडिकल वेस्ट हेतु प्रशिक्षित किया गया।	MOIC एवं संबंधित स्टाफ
	<u>डॉक्युमेंटेशनः</u> चिकित्सा इकाई में कोई भी अभिलेख जैसे प्रसव रजिस्टर, न्यूबोर्न रजिस्टर, एच0आर0पी0 रजिस्टर भरने में स्टाफ द्वारा शिक्षिलता बरती जा रही है। केस शीट अनुपलब्ध थी, जिसके कारण पार्टोग्राफ, सेफ बर्थ, डिस्चार्ज आदि नहीं भरा जा रहा था। IPD केस शीट अधिकांशतः समाप्त हो जाती है। रोगी कल्याण समिति के रिकार्ड पूर्ण नहीं पाये गये। OPD रजिस्टर में डायग्रोसिस एवं दी जाने वाली दवाओं का विवरण अंकित नहीं किया जा रहा है।	संबंधित स्टाफ को अभिलेखों के रख–रखाव का महत्व समझाते हुये उनको भरने हेतु प्रशिक्षण दिया गया।	MOIC एवं संबंधित स्टाफ
	• परिसर के भीतर एक नवनिर्मित D.C.H. है। MOIC को दोनों की देखरेख करना पड़ रहा हैं, जो कि प्रशासनिक तौर पर उचित नहीं है। • D.C.H. बिल्डिंग में कोई भी चिकित्सक नियुक्त नहीं किये गये हैं। यद्यपि पैरामेडिकल स्टाफ नियुक्त हैं। • MGPS स्थापित है, परन्तु काम नहीं कर रहा है। • लैब अभी भी In-house है, और कोई POCT लैब नहीं है। इसलिए कई टेस्ट चिकित्सा इकाई के बाहर से किए जा रहे हैं। • लेबर रूम में एवं इमरजेन्सी में नियर एक्सपायरी दवाएं मिली।	मुख्य चिकित्साधिकारी के माध्यम से महानिदेशक, चिकि0 स्वा0 सेवाएं को D.C.H., अतरौली हेतु सी0एम0एस0 एवं मेडिकल स्टाफ नियुक्त करने के लिए एक अनुरोध पत्र प्रेषित करने के लिए कहा गया। MGPS क्रियाशील कराने हेतु निर्देशित किया गया। महानिदेशक, चिकि0 एवं स्वा0 सेवाएं से POCT सेवाओं को क्रियाशील करने हेतु आग्रह करने हेतु निर्देशित किया गया। MOIC, से एक्सपायरी दवाओं के विषय में अधिक सावधानी बरतने हेतु आग्रह किया गया।	MOIC, CMO अलीगढ़, AD अलीगढ़ एवं DGMH
द्वितीय दिवस 03.03.2020	**<u>सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र छर्रा, जनपद अलीगढ़</u>**		
	इकाई परिसर में एक नवनिर्मित 30 शैय्या एम0सी0एच0 विंग है, जो क्रियाशील है, परन्तु कुल बेड क्षमता का उपयोग नहीं हो पा रहा है, जो कि एम0सी0एच0 विंग के उद्देश्य को पराजित करने के समान है।	इकाई में 30 शैय्या एम0सी0एच0 विंग हेतु महानिदेशक, चिकि0 स्वा0 सेवाएं के स्तर से अतिरिक्त स्टाफ की आवश्यकता है, जिस हेतु कार्यवाही अपेक्षित है।	MOIC, CMO अलीगढ़, एवं DGMH
	नवीन एम0सी0एच0 विंग के लिए उपकरणों की आवश्यकता है। ओ0टी0 खराब स्थिति में है। बायो मेडिकल वेस्ट का निस्तारण ठीक से नहीं किया गया है। चिकित्सा इकाई पर मासिक लगभग 300–320 प्रसव होते हैं, परन्तु स्टाफ केस लोड के साथ कम्यूनिकेट नहीं करते हैं।	तत्काल प्रभाव से सी0एम0एस0डी0 से संपर्क कर उपकरण इत्यादि लाने हेतु निर्देशित किया गया। बायो मेडिकल वेस्ट के उचित निस्तारण हेतु स्टाफ को प्रशिक्षित किया गया।	MOIC, CMO अलीगढ़, एवं DGMH

	परिसरः चिकित्सालय परिसर में कई स्थानों पर अत्यधिक गन्दगी पायी गयी एवं मुख्य भवन के पीछे निष्प्रयोज्य सामग्री पायी गयी।	परिसर की सफाई व्यवस्था का विशेष ध्यान रखने हेतु निर्देशित किया गया, अधीक्षक द्वारा इसे 02 दिवसों में सम्पन्न करने का आश्वासन दिया गया।	MOIC
	लेबर रूम– बायोमेडिकल वेस्ट बिन्स मानकानुसार नहीं पाये गये। मानकानुसार स्टरलाइजेशन नहीं किया जा रहा था। लेबर रूम में स्टेलाइजन, ऑक्सीजन सिलेण्डर का रिकार्ड नहीं बनाया जा रहा था।	संबंधित स्टाफ (नर्स, फार्मासिस्ट) आदि को बायो मेडिकल वेस्ट एवं स्टरलाइजेशन का महत्व समझाते हुये उन्हें प्रशिक्षण दिया गया।	MOIC एवं संबंधित स्टाफ
	डॉक्युमेंटेशनः चिकित्सा इकाई में कोई भी अभिलेख जैसे प्रसव रजिस्टर, न्यूबोर्न रजिस्टर, एच0आर0पी0 रजिस्टर भरने में स्टाफ द्वारा शिक्षिलता बरती जा रही है। IPD केस शीट अधिकांशतः समाप्त हो जाती है एवं ठीक से नहीं भरी जा रही थी। रोगी कल्याण समिति के रिकार्ड पूर्ण नहीं पाये गये। OPD रजिस्टर में डायग्रोसिस एवं दी जाने वाली दवाओं का विवरण अंकित नहीं किया जा रहा है।	संबंधित स्टाफ को अभिलेखों के रख–रखाव का महत्व समझाते हुये उनको भरने हेतु प्रशिक्षण दिया गया।	MOIC एवं संबंधित स्टाफ
	जे0एस0एस0के0 के अन्तर्गत लाभार्थियों को किसी भी प्रकार का भोजन/नाश्ता नहीं दिया जा रहा था। जे0एस0वाई0 में लगभग 30 प्रतिशत लाभार्थियों का भुगतान लंबित है।	जे0एस0वाई0 के लाभार्थियों का भुगतान 07 कार्यदिवसों के अन्दर करने हेतु निर्देशित किया गया।	MOIC एवं संबंधित स्टाफ

दिनांक 04.03.2020 को राज्य कार्यक्रम प्रबन्धक की अध्यक्षता में अपर निदेशक कार्यालय के सभागार में मण्डल स्तरीय भौतिक एवं वित्तीय समीक्षा बैठक आहूत की गयी। बैठक में मण्डल स्तर से अपर निदेशक, चिकि0 स्वा0 एवं प0क0 अलीगढ़ मण्डल, संयुक्त निदेशक, मण्डलीय क्वालिटी कन्सल्टेन्ट, मण्डलीय लेख प्रबन्धक, मण्डलीय एम0एण्डई0 ऑफिसर व असिस्टेन्ट तथा जनपद स्तर से मुख्य चिकित्साधिकारी जनपद– अलीगढ़, कासगंज व हाथरस, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला महिला/पुरूष चिकित्सालय जनपद अलीगढ़, एटा, कासगंज एवं हाथरस, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी (आर0सी0एच0) जनपद अलीगढ़, एटा, कासगंज एवं हाथरस, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, जिला लेखा प्रबन्धक अलीगढ, एटा कासगंज एवं हाथरस, जनपद अलीगढ़ से डिस्ट्रिक्ट क्वालिटी कन्सल्टेन्ट, FPLMIS प्रबन्धक व जिला पुरूष चिकित्सालय से हॉस्पीटल मैनेजर द्वारा प्रतिभाग किया गया। बैठक का कार्यवृत्त अपर निदेशक, चिकि0 स्वा0 एवं प0क0 अलीगढ़ मण्डल के स्तर से निर्गत किया जा रहा है।

(विपिन कुमार श्रीवास्तव)
कार्यक्रम सहायक

(योगेन्द्र कुमार यादव)
एस0एन0सी0यू0 सॉफ्टवेयर
कोऑर्डिनेटर

(डॉ0 सचेन्द्र राज)
तकनीकी सलाहकार

(राम सुरेश चौरसिया)
सलाहकार

(डॉ अशोक कुमार पालीवाल)
राज्य कार्यक्रम प्रबन्धक

प्रेषक,

मिशन निदेशक
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
उ0प्र0, लखनऊ।

सेवा में,

1. अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, अलीगढ़ मण्डल, अलीगढ़।
2. मुख्य चिकित्साधिकारी जनपद अलीगढ, एटा, कासगंज एवं हाथरस।
3. मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका/अधीक्षक, जिला महिला/पुरूष चिकित्सालय जनपद अलीगढ, एटा, कासगंज एवं हाथरस।

पत्रांकः एस0पी0एम0यू0/एन0एच0एम0/सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/2019–20/10329-3 दिनांक 17.03.2020

विषयः राज्य स्तरीय टीम द्वारा माह मार्च 2020 में किये गये पर्यवेक्षण की आख्या पर कार्यवाही किये जाने के संबंध मे।

महोदय,

अवगत कराना है कि दिनांक 02.03.2020 से 04.03.2020 तक राज्य स्तरीय टीम के द्वारा अलीगढ मण्डल के समस्त जनपदों की चिकित्सकीय इकाईयों का स्थलीय पर्यवेक्षण किया गया। स्थलीय पर्यवेक्षण के आधार पर भ्रमण रिपोर्ट पत्र के साथ संलग्न कर आवश्यक कार्यवाही हेतु आपको प्रेषित की जा रही है।

अतः आपसे अनुरोध है कि सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के दौरान दृष्टिगत बिन्दुओं को संज्ञान में लेते हुये अपने जनपद की समस्त चिकित्सा इकाईयों पर उनका निराकरण कराने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

संलग्नक–पर्यवेक्षण आख्या।

भवदीय

(विजय विश्वास पन्त)
मिशन निदेशक

पत्रांकः एस0पी0एम0यू0/एन0एच0एम0/सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/2019–20/10329-3(4) तद्दिनांक

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित –

1. जिलाधिकारी–जनपद अलीगढ, एटा, कासगंज एवं हाथरस।
2. समस्त महाप्रबन्धक, अधिशासी अभियन्ता, अनुभागाध्यक्ष एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0 उ0प्र0।
3. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, अलीगढ़ मण्डल।
4. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, जनपद अलीगढ, एटा, कासगंज एवं हाथरस को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(डॉ0 अर्चना वर्मा)
महाप्रबन्धक, क्वालिटी एश्योरेन्स